Dr. HONEY SINHA
(Assistant Professor)
Dept. of Commerce

Lecture:-44

Sub: Specialised Accounting (Hons)
Paper:- IV
SNSRKS College, SAHARSA

B.Com Part: 2nd

Sub:- Specialised Accounting (Honours)

* Introduction *

Method of Absorption
संविलयन करने की विधि

(i) एक विद्यमान कम्पनी दूसरी को क्रय करती है;
(2) विक्रेता कम्पनी का समापन हो जाता है;
(3) इसकी सम्पत्तियों को क्रेता कम्पनी ले लेती है;
(4) विक्रेता कम्पनी दायित्वों को या तो क्रेता कम्पनी को हस्तान्तरित कर देती है या इनके भुगतान का भार स्वयं ले लेती है तथा इसका भुगतान विक्रेता कम्पनी अपने समापन के समय अपनी रोकड़ तथा प्राप्त किये क्रय-मूल्य में से करती है;
(5) विक्रेता कम्पनी के अंशधारियों को उसके व्यापार के बदले जो मूल्य दिया जाता है, वह आपसी समझौते द्वारा तय किया जाता है
(6) इस मूल्य का भुगतान निम्न में अर्थात् निम्न प्रकार में से किसी एक या एक से अधिक के द्वारा किया जाता है:
(अ) रोकड़ द्वारा (By Cash),
(ब) अंशों द्वारा (By shares) और
(स) ऋणपत्रों द्वारा (By Debentures)

Scanned with CamScanner

PAGE :
DATE : / /

क्रेता कम्पनी के पास यदि क्रय-मूल्य का भुगतान करने के लिये पर्याप्त अंश है तो उन्ही के द्वारा क्रय-मूल्य दे दिया जाता है और यदि नही तो अपनी पूंजी को बढ़ाकर नये अंश निर्गमित करती है। परंतु यहा यह ध्यान देने योग्य बात है कि अंश-पूंजी बढ़ाने के लिये कंपनी अधिनियम में दिये हुए नियमों का पालन करना आवश्यक है।

Merits & Demerits of Absorption
(संविलयन के गुण-दोष)

गुण:- पहले हमने पढ़ा है कि संविलयन के उद्देश्य भी वही है जो एकीकरण के है उसी प्रकार जो हमने संविलयन के उद्देश्य में जाना है:- उपर्युक्त जिन उद्देश्यों का वर्णन किया गया है वहीं संविलयन के लाभ होते है।

दोष:- संविलयन के भी वही दोष है जो एकीकरण के है, परंतु यह कहा जाता है कि यहां पर विक्रेता कंपनी बहुधा तुलनात्मक रूप में अधिक घाटे में रहती है क्योंकि क्रेता कम्पनी के साथ बिक्री-मूल्य निर्धारित करते समय उसकी योग्यता कम होती है, परन्तु इसका अर्थ यह न लगाना चाहिए कि संविलयन में क्रय-मूल्य सदैव क्रेता के पक्ष में ही रहता है। क्रय-मूल्य का पक्ष या विपक्ष में होना बहुत कुछ परिस्थितियों पर निर्भर होता है।

—— x ——

Dr. Honey Sinha
(Assistant Professor)
Dep. of Commerce
S.N.S.R.K.S. College Saharsa

-end